TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

M o n d a y

17 जून

1. **विश्व मरूस्थलीकरण एवं सुखाड़ रोकथाम दिवस–** प्राकृतिक एवं मानव गतिविधियों जैसे ग्लोबल वार्मिंग और वनों की तेजी से कटाई के कारण धरती पर उपजाऊ जमीन मरूस्थलों में बदलते जा रहा है। मरूस्थलीकरण की चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 17 जून को 'विश्व मरूस्थलीकरण एवं सुखाड़ रोकथाम दिवस' मनाया जाता है।
   - **संदर्भः** वर्ग 7, भूगोल की पुस्तक **'हमारी दुनिया भाग–2', पाठ 9** से जोड़कर चर्चा करें।

2. **झाँसी की रानी बलिदान दिवस–** रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में ग्वालियर के भीषण युद्ध के बाद स्मिथ की अंग्रेजी सेना को पीछे हटना पड़ा था। परंतु ह्यूरोज की सेना के आ जाने के कारण रानी अत्यंत वीरता से लड़ी और 17 जून, 1858 ई. को ग्वालियर दुर्ग की दीवारों के पास वीरगति को प्राप्त हुई। रानी लक्ष्मीबाई 1857 की क्रांति की द्वितीय शहीद वीरांगना (प्रथम शहीद वीरांगना अवन्ति बाई लोधी 20 मार्च, 1858) थीं। उन्होंने 29 वर्ष की उम्र में अंग्रेज साम्राज्य की सेना से युद्ध किया और रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुईं।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों से आज सुभद्रा कुमारी चौहान रचित **'झाँसी की रानी' कविता** का वाचन करवायें।
   - **संदर्भः** वर्ग 8, इतिहास की पुस्तक **'अतीत से वर्तमान भाग–3', अध्याय 6** से जोड़कर चर्चा करें।

3. **मुमताज महल का निधन–** मुगल बादशाह शाहजहाँ की तीसरी पत्नी मुमताज महल का निधन 17 जून, 1631 ई. को बुरहानपुर में अपनी चौदहवीं संतान बेटी गौहरा बेगम को जन्म देते समय हो गई थी। मुमताज महल का असली नाम अर्जुमंद बानो बेगम था। मृत्यु के बाद मुमताज की याद में ही शाहजहाँ ने आगरा में ताजमहल का निर्माण करवाया था।
   - **संदर्भः** वर्ग 7, इतिहास की पुस्तक **'अतीत से वर्तमान भाग–2', अध्याय 4, 'मुगल साम्राज्य'** से जोड़कर चर्चा करें।

"तो भी रानी मार काट कर चलती बनी सैन्य के पार,
किन्तु सामने नाला आया, था वह संकट विषम अपार,
घोड़ा अड़ा, नया घोड़ा था, इतने में आ गये अवार,
रानी एक शत्रु बहुतेरे, होने लगे वार पर वार।
घायल होकर गिरी सिंहनी उसे वीर गति पानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।"

– सुभद्रा कुमारी चौहान

Madhu priya

दिवस विशेष

17 जून

मधु प्रिया

मुमताज महल का निधन 17 जून

मुमताज महल (1593-1631) मुगल सम्राट शाहजहाँ की प्रिय पत्नी थीं, जिनकी सुंदरता और प्यार की याद में शाहजहाँ ने ताजमहल नामक एक शानदार स्मारक का निर्माण करवाया था। शादी से पहले मुमताज महल का नाम अर्जुमंद बानो बेगम था और इनका जन्म अप्रैल, 1593 में आगरा, उत्तर प्रदेश में हुआ था। मुमताज महल अब्दुल हसन असफ खान नामक एक फारसी सज्जन की पुत्री थीं।जैसा कि इतिहास और किंवदंतियों से पता चलता है कि अर्जुमंद बानो एक मुस्लिम लड़की थी जो अत्यधिक सुंदर और सर्वगुण सम्पन्न महिला थीं। मुमताज महल, प्रसिद्ध मीना बाजार जो हरम से जुड़ा हुआ निजी बाजार था, में अपनी दुकान पर रेशम और कांच के मोती बेचा करती थीं, जहां सम्राट के सबसे बड़े बेटे राजकुमार खुर्रम (शाहजहां) से 1607 में उनकी मुलाकात हुई और तब से वह उनसे प्यार करने लगीं। अपने पिता की मंजूरी लेने के बाद, उनकी शाही शादी मई 1612 में बहुत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ हुई। 19 साल की उम्र में शादी करके मुमताज महल अपने पति की दूसरी और सबसे प्रिय पत्नी बन गईं। अपने पिता जहाँगीर के मयूर सिंहासन पर बैठने के बाद, राजकुमार खुर्रम को शाहजहाँ के नाम से जाना जाने लगा था। मुमताज के लिए उनका प्यार इतना था कि उन्होंने अर्जुमंद बानो को मुमताज महल का नाम दे दिया, जिसका अर्थ है ('महल का प्यारा आभूषण')। इन दोनों की जोड़ी काफी अच्छी और प्रेरणादायक भी है, शाहजहाँ और मुमताज महल दोनों ने बहुत ही गम्भीरता और प्रेमपूर्वक शादी के रिश्ते को निभाया जो पूरे इतिहास में प्रसिद्ध है। राज्य में मुमताज महल अपनी अत्यधिक सुंदरता और नम्र स्वभाव के लिए जानी जाती थीं।मुमताज महल का 17 जून 1631 में अपने चौदहवें बच्चे शहजादी गौहर बेगम को जन्म देने के बाद, मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में निधन हो गया था और मरने से पहले मुमताज ने अपने पति से अपनी याद में स्मारक बनवाने की अंतिम इच्छा जाहिर की, जो उनके प्यार का प्रतीक होगी। हालांकि, शाहजहाँ ने मुमताज महल की इच्छा को पूरा करने के लिए विश्व के सात अजूबों में से एक भव्य स्मारक ताजमहल का निर्माण करवाया, जो अपनी महिमा के कारण मानव सभ्यता के इतिहास में प्रेम और पवित्रता की स्मृति का प्रतीक है। आगरा में सफेद संगमरमर से बनी इस स्मारक को पूरा करने में 20 साल लगे, और मुमताज महल के अवशेषों को ताजमहल के ही एक गुम्बद में दफनाया गया और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उनके प्यार के प्रति एक श्रद्धांजलि थी।

जन्मदिन विशेष 17 जून

राकेश कुमार

लिएंडर पेस *Leander Paes*, जन्म- 17 जून, 1973, गोवा) भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 1996 में अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीत कर भारत का ओलंपिक में पदक का रास्ता खोला था। उस वक्त लिएंडर ने व्यक्तिगत खेलों में भारत के लिए 44 साल पड़े सूखे को समाप्त किया था। ओलंपिक के लिहाज से लिएंडर पेस का प्रदर्शन एक मील का पत्थर है। 1996 में लिएंडर पेस को उनके टेनिस में उत्तम प्रदर्शन के लिए "राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार' तथा 2001 को महेश भूपति के साथ 'पद्म श्री' सम्मान प्रदान किया गया।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 17.06.2024

संज्ञानवादी सिद्धांत

संज्ञानात्मकवाद वह सिद्धांत है जो इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि हम अपने दिमाग में जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं, व्यवस्थित करते हैं, संग्रहीत करते हैं और याद करते हैं। संज्ञानवाद के मुख्य योगदानकर्ताओं में से एक जीन पियागेट थे।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

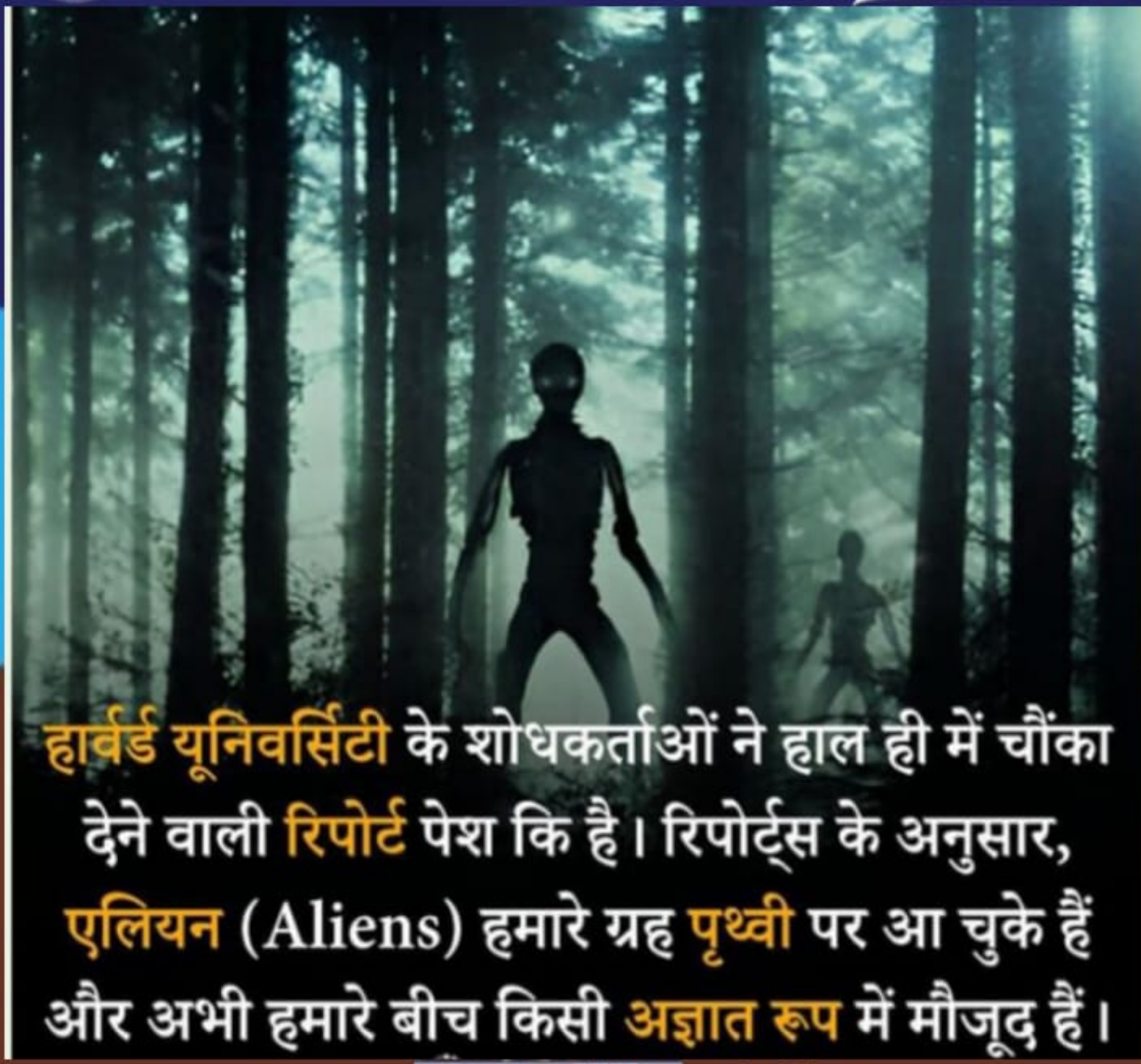

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने हाल ही में चौंका देने वाली रिपोर्ट पेश कि है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एलियन (Aliens) हमारे ग्रह पृथ्वी पर आ चुके हैं और अभी हमारे बीच किसी अज्ञात रूप में मौजूद हैं।

Bakra Eid 2024 Wishes: इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, इस साल भारत में ईद उल-अज़हा यानी बकरीद का त्योहार 17 जून, सोमवार के दिन मनाया जाएगा. वहीं, देश और दुनिया के कुछ हिस्सों में बकरीद 16 जून को मनाई जाएगी. इस्लाम धर्म में इस दिन बकरे की कुर्बानी देने की परंपरा होती है. दुनियाभर के मुसलमानों द्वारा पैगंबर इब्राहिम के बलिदान को याद करते हुए इस दिन बकरे की कुर्बानी दी जाती है.

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

फुटबॉल

यूरो कप के चैंपियंस

1960	सोवियत यूनियन
1964	स्पेन
1968	इटली
1972	जर्मनी
1976	चेकोस्लोवाकिया
1980	जर्मनी
1984	फ्रांस
1988	नीदरलैंड
1992	डेनमार्क
1996	जर्मनी
2000	फ्रांस
2004	ग्रीस
2008	स्पेन
2012	स्पेन
2016	पुर्तगाल
2020	इटली

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
बकरीद मुबारक
17 जून
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
The Change Makers
عید الاضحیٰ مبارک
EID-AL-ADHA
MUBARAK

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

एक सामाजिक कार्यकर्ता,
सुधारक, राजनीतिक
कार्यकर्ता, पत्रकार, कवि और
निबंधकार

गोपबंधु दास

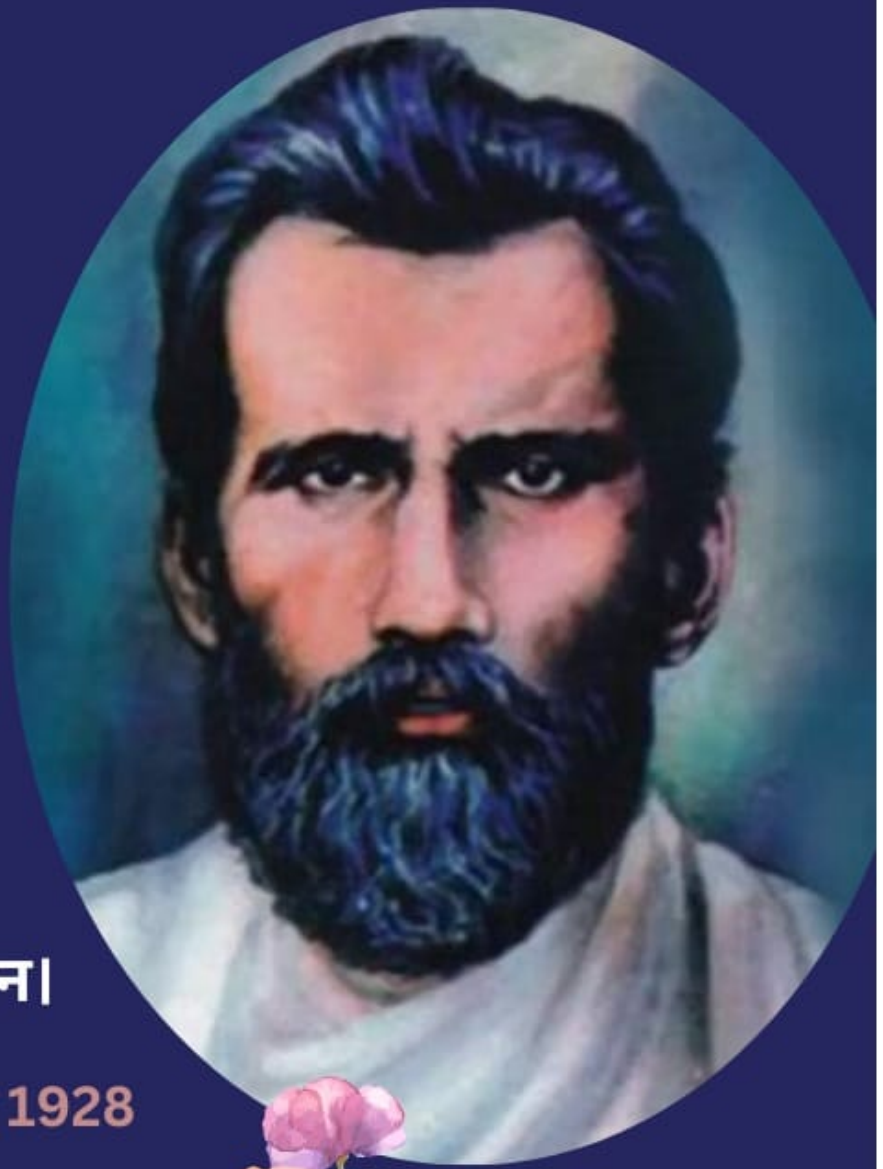

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म- 9 अक्टूबर 1877 - मृत्यु- 17 जून 1928

Madhu priya

www.teqchersofbihar.org

Madhu priya

जन्मदिन विशेष

17 जून 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

अगर मेरे पास कुछ करने का कारण है, और मुझमें पर्याप्त जुनून है, तो मैं आम तौर पर सफल होता हूं।

लिएंडर पेस

(प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी)

जन्म: 17 जून 1973

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org